Samaj
Pragati
Sahayog

Azim Premji
Foundation

समाज प्रगति सहयोग द्वारा प्रस्तुत
अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा संचालित

बकरी पालन

वार्षिक कैलेंडर मार्गदर्शिका

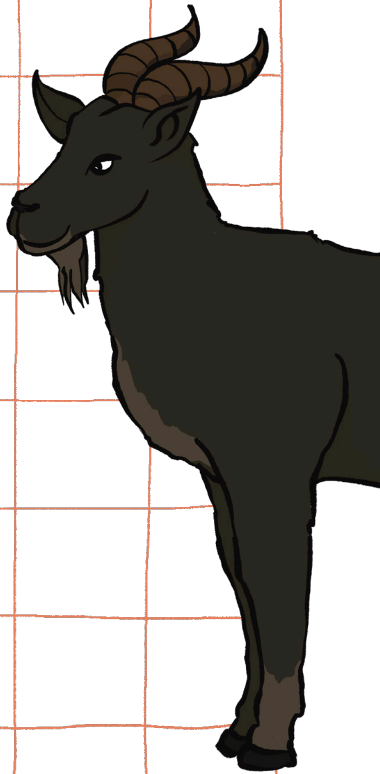

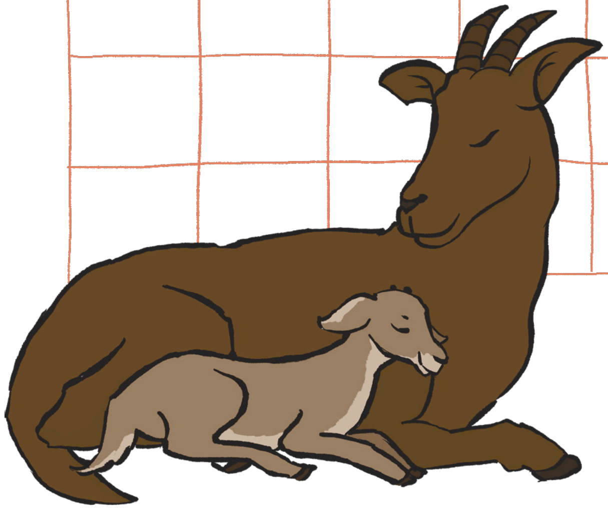

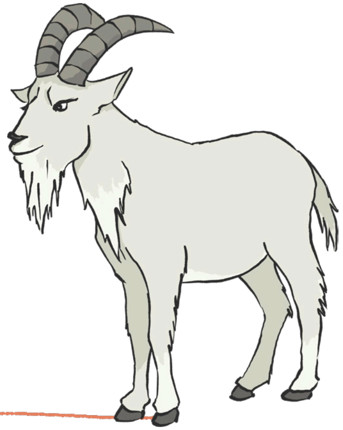

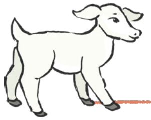

आभार

एस.पी.एस. पशुधन कार्यक्रम

विशेष धन्यवादः भीष्म सिंह सिसोदिया, अनिमेष मंडल

लेखनः अजहर आलम, लाइवस्टॉक टीम

मार्गदर्शनः अनिमेष मंडल

चित्र और डिजाइनः राशि शाह

वित्तीय सहयोगः अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

संस्था पिछले तीन दशकों से मध्य प्रदेश के देवास एवं खरगोन जिले और महाराष्ट्र के अमरावती जिले के आदिवासी क्षेत्रों में पानी और आजीविका सुरक्षा पर काम कर रही है। संस्था का मुख्य उद्देश्य भारत के सबसे पिछड़े इलाकों में महिलाएं, आदिवासी, दलित और गरीबों का सशक्तिकरण है। संस्था स्वयं सहायता समूह, महिला सशक्तिकरण, कीटनाशक रहित खेती, पशुपालन, स्वास्थ्य, पोषण और अधिकारों पर सरकार और स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर काम करती है।

जनवरी

पौष – माघ

				1	2 प्रसव उपरांत डी-वार्मिंग करना।	
4	5	सर्दी से बचाव हेतु बकरी आवास में उचित प्रबंध करें।			9	
11	12	13	14	मेमनों को संतुलित आहार देना।		17
18	ठंड के मौसम में बकरियों को छत वाले बाड़े में रखें।			22	23	24
25	26	दुधारू पशुओं को तेल व गुँड देने से भिभी शरीर का तापक्रम सामान्य बनाये रखने में सहायता मिलती है।				

फ़रवरी

माघ – फाल्गुन

1	2	मिश्रित एवं प्रसव दाना तैयार करें।		5	6	7
8	9	10	11	अजोला कल्चर बनाएं।		14
15	शीतलहर से बचाव की व्यवस्था करें।		18	19	20	21
22	23	24	तीन माह की उम्र होने पर बकरों का बधियाकरण करें।			28

1 मि.ली. मात्रा त्वचा के नीचे (Sub-cut) प्रति 1 वर्ष दे।

पी.पी.आर. टीका

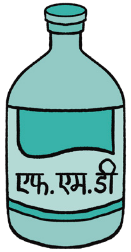

1 मि.ली. मात्रा मांसपेशियों में (Intramuscular) प्रति 1 वर्ष दे।

एफ.एम.डी. टीका

2 मि.ली. मात्रा त्वचा के नीचे (Sub-cut) प्रत्येक 6 महीने दे।

ई.टी. टीका

1 मि.ली. मात्रा मांसपेशियों में (Intramuscular) प्रति 1 वर्ष दे।

एच.एस. टीका

2 मि.ली. मात्रा त्वचा के नीचे (Sub-cut) प्रत्येक 6 महीने दे।

ई.टी. बूस्टर

डीवार्मिंग (कीड़ों की दवा)

1 मि.ली. मात्रा त्वचा के नीचे (Sub-cut) प्रति 1 वर्ष दे।

गोट पॉक्स टीका

टीकाकरण सारणी

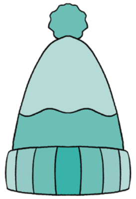

ठंड

- FMD (अक्टूम्बर व नवम्बर)
- PPR (अक्टूम्बर / प्रत्येक 1 वर्ष में)
- पेट के कीड़े मारने की दवा (डीवार्मिंग)

बरसात

- ET टीका (बरसात से पहले)
- पेट के कीड़े मारने की दवा (डीवार्मिंग)
- लाल दवाई का उपयोग बरसात में पशु के पीने के पानी में तथा खुलन में अवश्य करें।

गर्मी

- ET टीका (मई/जून)
- पेट के कीड़े मारने की दवा (डीवार्मिंग)

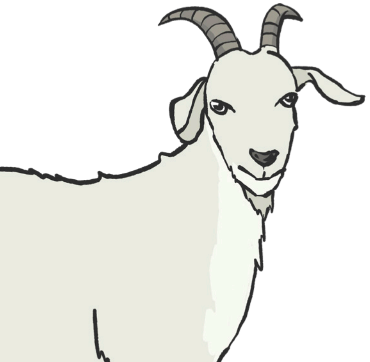

नोटः टीकाकरण करते समय ध्यान रहे कि बकरी के बच्चे की उम्र ३ माह से ऊपर होनी चाहिए।

टीकों का तापमान 20° - 80° से. बनाए रखें।

मार्च

फाल्गुन – चैत्र

1	2	खुली चराई के समय बकरियों के लिए गेहूं, चना, अरहर आदि जैसे संतुलित दाने की व्यवस्था करें।				7
8	9	10	11	12	13	
15	16	17	रोज़ाना ताज़ा एवं स्वच्छ पानी पिलाएं या पीने के पानी में लाल दवा का प्रयोग करें।			
22	चारा तैयार करें एवं उसे संरक्षित करें।		25	26	27	28
29	30	31				

अप्रैल

चैत्र- वैशाख

			1	2	3	4
5	6	7	8	गाभिन (छः माह से अधिक) पशुओ को अतरिक्त आहार दे।		
12	चारा बनाना एवं संतुलित आहार जाग्रति।			16	17	18
19	20	21	गर्मी से अजोला के बचाव एवं अजोला बीज / कल्चर संरक्षण करने हेतु।			
26	आवास मरम्मत।	28	29	30		

मई

वैशाख- ज्येष्ठ

					1	2
3	पेट के कीड़ों को मारने की दवा देना।		6	7	पशुओं को धुप व लू से बचाने का उपाए करे |	
10	11	12	गर्मी से बचाव हेतु उचित व्यवस्था करना।		15	16
17	18	19	20	ई.टी. (फड़किया रोग) का टीकाकरण करना।		23
24	पशुओं में आहार में मौसम के अनुसार आवश्यक बदलाव करें | गेहू जौ की मात्र बढाए |				29	30
31						

जून

ज्येष्ठ – आषाढ़

	1	2	टीकाकरण।		7	6
7	15	16	17	11	शीतलहर से बचाव की व्यवस्था करें।	
14	पशुओं का चारा नही मिल रही हो तो विटामिन ऐ का इंजेक्शन लगवाए |			18	19	20
21	22	गलघोटू (haemorrhagic septicaemia) एवं लंगड़ा बुखार (Black Quarter) बीमारी से बचाव के टिके अवश्य लगवायें |				
28	मौसम संबंधी पूरी जानकारी रखना।					

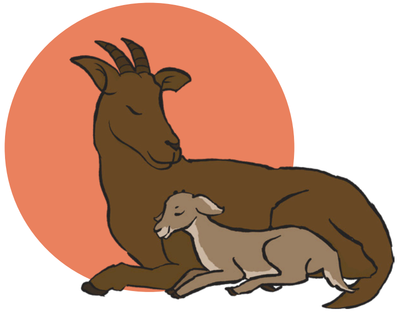

गर्भित एवं दूध पिलाने वाली बकरियाँ, नर बकरे

ढंका हुआ हिस्सा 1.5 - 2.0

मंडूक खुले 3.0 - 4.0

वयस्क बकरियाँ

ढंका हुआ हिस्सा 1.5

मंडूक खुले 3.0

- फर्श को जमीन से थोड़ा ऊँचा बनाये।
- फर्श बनाने हेतु लकड़ी अथवा बाँस का उपयोग करें।
- मल-मूत्र निकासी व्यवस्था का ध्यान रखे।
- सप्ताह में एक बार बकरी घर में चूने का छिड़काव जरुर करें। समय-समय पर नीम का धुंआ भी करते रहें।

एक बकरी के बाड़े के लिए जगह

0-3 महीने

ढंका हुआ हिस्सा 0.2 - 0.25
मंडूक खुले 0.4 - 0.5

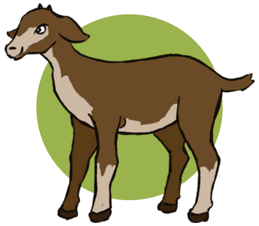

3-6 महीने

ढंका हुआ हिस्सा 0. 5 - 0.75
मंडूक खुले 1.0 - 1.5

6-9 महीने

ढंका हुआ हिस्सा 0.75 - 1.0
मंडूक खुले 1.5 - 2.0

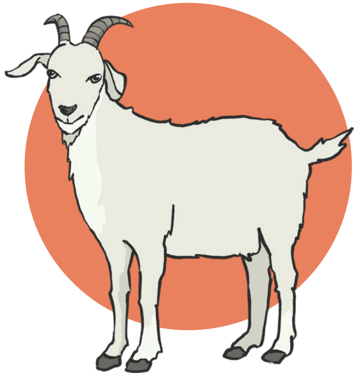

1 साल

ढंका हुआ हिस्सा 1.0
मंडूक खुले 2.0

जुलाई

आषाढ़- श्रावण

				2	मेमनों के स्वास्थ्य की देखभाल करना।	
5	बकरी के बाड़े में चूने का छिड़काव करना।		8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	वर्षा जनित रोगों से बचाव के उपाय नही भूले, अंत: परजीवी व कृमि नाशक घोल या दावा देने का समय भी यही है					
26	27	28	29	30	31	

अगस्त

श्रावण – भाद्रपद

						1
2	गर्भावस्था के दौरान बकरी की देखभाल करना।			6	7	8
9	10	11	12	13 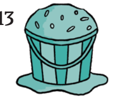	डीवार्मिंग करना (कीड़ों की दवा)।	
16	17 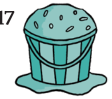	बकरियों को खनिज मिश्रण 30-35 ग्राम पर्तिदिन दे, जिससे बकरी की दूध उत्पादन और शारीरिक चमता बना रहे					
23	पीने के पानी में लाल दवाई का प्रयोग करना।			27	28	29
30	31					

सितंबर

भाद्रपद – आश्विन

		1	2	3	4	5 आवास की साफ़-सफ़ाई करना।
6	दाना निर्माण व आजोला कल्चर करना।			10	11	12
13	14	15	गर्भित बकरी की देखभाल करना तथा दाना, पानी व चराई की व्यवस्था करना।			
20	21	22	23	24	25	26
27	चारे का प्रयाप्त और उपयुक्त भण्डारण सूखे व ऊचे स्थान पर करे						

अक्टूबर

आश्विन – कार्तिक

				1	2	3
4	5	6	7 मेमना की सुरक्षा एवं संतुलित आहार।		9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	प्रसव के लिए तैयार बकरी की विशेष देखभाल ।		
25	पी.पी.आर. (PPR) रोग का टीकाकरण करना।			29	30	31

नवंबर

कार्तिक – मार्गशीर्ष

1	2	3	आवास की मरम्मत करना।		4	5
8	डीवार्मिंग दाना चारा पानी की व्यवस्था करना ।			12	13	14
15	16	17	18	गर्भित बकरी की देखभाल करना एवं अतरिक्त दाना देना ।		
22	23	पी.पी.आर. रोग का टीकाकरण ।		26	27	28
29	30					

दिसंबर

मार्गशीर्ष – पौष

		1	2	3	आवास मरम्मत।	5
6	7	8	दाना निर्माण एवं चारा संग्रह ।		11	12
13	पशुओं का सर्दी से बचाव का उचित प्रबंध करें | रात में पशुओं को अन्दर स्थान, जैसे की छत के निचे या घास -फूस की छप्पर तले बांधे |					
20	21	22	23	24	25	26
27	28	गर्भित बकरी की देखभाल करना एवं अतरिक्त दाना देना ।				